

[illegible]

NOV 1968
JULY ARCHIVES

1505

工

मामिदवीथावकुविनासिनी किरुवहननखसमहानदवीरउडि
 यातयुर्गुगिनी कामनूयशीदक सुविशुद्धमन्दलनृषयकि॥ २
 ॥ वसूदलसयापूहवलधर्मवकुं सादसदलसंरागवकुं रक्षागिंस
 नदलकमल महासुखवकुं हं कालनूयशीहनुकनार्थ॥ ३ वा
 दसुयिनिनविशादिकित्यादिनी थावहमनधायनादनूयीर

पी०दिदहायमिसूबातयूऊनीकिनहानदायनीवीयभूमी॥ ४॥
 दर्यनयुक्तिविम्बकलकवन्धापम अदिनिसिहमनंनवकुंदवीरकु
 न्मरुनामापूहंरुयायसुनभइगकिताहनमाऊयुदा॥ ५ वा॥
 गकशुदिवाखतयागिदिदविशिरुवनयायिनीरविघ्नमावइसुदत्यवि
 नासिनी॥ ६ ॥ नमामिरदविशीवकुवावादि२सच्चिसिधियाय

अनीला ॥ ५

५॥ २ सदानपति सर्वकार्यलया सर्वशुखसम्यक्ति साकय २ ऊयेव
तयेव युऊर्थयी वर्धति प्रथमाह कर्मथये ॥ ४ ॥ समयव ऊरुदा
नपतिनः सर्वसिद्धिसयदभाक्तिन २ आसंमालगतथागतवयनसर्व
सिद्धिसंयददक्षिये ॥ ५ ॥ १ **वागयामं कलि** ॥ अनीव अनीव ॥ अनीव
शुवमा ॥ मनम सुलवकुलायारव ऊय ऊलसय ऊलसय विमन

अदि ५

म सुलवकुलाया ॥ ६ ॥ उमव ऊवयिया शुवक वृषा अलिग
महलूडा ऊवयिया २ व ऊवा बाहि अलिग मासमव खलयिया ॥ २
॥ शुभिसं वव वीम वव सं ऊहिं २ तहिं २ अष्टम भात २ अनूह गसर्व
दव व ऊवा दस दवी मिलमिमिय न सं हावे ॥ ३ ॥ शुभवन
शुभवन शुभवन शुभवन शुभवन शुभवन शुभवन शुभवन शुभवन

मी

नी

१२ कावर्ग्ये ॥ न

वनाग्निसपसादिप्रसादिप्ररुलियलउयकाकावा॥ ४ वाज्रदि
निहिसगगुनूवायनंतुवालाहृदितालहोवज्रहावेरुयममयधः
हयवंधनरुदितगवहयमावृज्जगियसंसवरा ५ ॥ **वागना** ॥ यक
वर्तुणिनिलायनसूचीरज्ज्हादभाहुकप्रह्वनभकिवल्हा॥ ६ ॥ एतुम्
दवीवावृणीमहामामकीदवीरुगगयभादिप्रमयनसूवाला॥ ७ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अगमवदयूना नवधानरजागधनमदिक्कागुनूडयदहा ॥ ३ ॥
 यश्च वद्वत्सु यजुः शुक्लं स यत्नमगिहिसाम्भदेनूडाहूडा ॥ ४ ॥
 सगुनूवयमसिलैगगधवीयारनयिगीवाकवजसूनां हवयिमा ॥ ५ ॥
 नागमेवति ॥ नमो ह्यंशूका नृधनूयधनूरखच्छविसखडर्काधनू ॥ ६ ॥
 वागैनाहं गताहं गताहं गताहं गताहं ॥ ७ ॥ १ ॥ चंदागुलिङ्गद्यजागधनू

सामन्तदा

२ वंशधर्मप्रदायः ॥ ३ ॥ माधवधर्मसंख्येन दहधनू ॥ ४ ॥ सयदससादि
यवदमनू ॥ ५ ॥ मायादेहवीनऊरुहृदयकनू ॥ ६ ॥ तत्त्वमहं
७ ॥ १ ॥ मायाधर्मप्रदायः ॥ ८ ॥ शिवकनूविमलसिंदूरमाधुहितिजा
नन्दगनूतिधनू ॥ ९ ॥ वरुणादिशालिगलसंख्येन मायाधर्मप्रदायः ॥ १० ॥
॥ ११ ॥ मायाधर्मप्रदायः ॥ १२ ॥ मायाधर्मप्रदायः ॥ १३ ॥ मायाधर्मप्रदायः ॥ १४ ॥

॥ २ ॥ अथ ४ गुरुवर्गदमनूखत्वात्तन्मैदात्तानन्दमूर्तिचमरकनक्तिहवात्तन्वनशुपासिगुणः

१ मूलप्रतिज्ञाः यत्र ज्ञानन्दमनूनिधवाश्चिन्तयन्तः सर्वत्र ज्ञानन्दमनूनिधवाश्चिन्तयन्तः
२ वक्त्रं हिलं ध्यायाद्युपसर्गकमिवादिता ॥ ३ ॥ दिग्गविदिग्गं काका
४ ॥ यदिकमया किनिद्वीः सहजं ज्ञानन्दमनूनिधवाश्चिन्तयन्तः
५ ॥ कसंबवसागुपूवयक्षज्ञाधिनाः ॥ ४ ॥ ॥ वागप्रदा ॥ हाउजा
६ ॥ ह्यक्षकृयायिलसप्तलधनयिकवाविदरहादुक्षबालंतमन्दियामृगा

子

भूमकूटकसदिगंवला॥ ३७ ॥ यत्र यत्र तावत्समस्तवर्षायाः समस्तवर्षायाः
मासकालात्समस्तवर्षादिनिवृत्तवावाहिरुदमदियालतावृक्षायाः॥
॥ सात्विंशयनवर्षं शुभं मयनं कार्यं लहवयितं बालाश्च गगनानिलाव
र्षावधिलज्जादासमस्तमन्त्रलहवरीना॥ ३८ ॥ शिखिध्वजवर्षादुदितग
लसंवलययिसिधुन्यरुक्तावाहिरुदमविवादिनीवृत्तवावाहिरुदमवि

नृदयमिश्रं धरा॥ ४ ॥ गगनादिकिलितावृत्तकलियाडलहवगु
वर्षमश्रावाधिसमयाज्ञानवर्षलिलालमधुलसंवलयवृत्तवावाही॥
॥ रागकर्षुदिविहृत्तवर्षादिगगिनिदहकवाविशकमलकलिस
चलकवर्षनविस्तवा॥ ५ ॥ यागिनिहृत्तवर्षनहविहृत्तवर्षादि
महवृत्तवर्षलकमलसंपिबयि॥ ६ ॥ कवर्षयागिनिवर्षनजायि॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

माहकूलवह्निरायअदियानसमान॥ ३ ॥ सासुहृद्यधायकंवियगाना
श्वन्दसूर्यदूषियन्ननरुलादा॥ ४ ॥ एतयिगुजवीरुमकन्दुवीना
नयेनेतामिमाश्वउरयनडविवा॥ ५ ॥ **एवागंभ्रव** ॥ विविहंवि
हन्त्यवविमसिबदनरदवासुनगक्षुवनरुडकनधा॥ ६ ॥ ताव
यिल्लनमामिथीसंवलावीनाश्वज्जगिदीनमिनसहस्रुंगना॥ ७

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ वक्रवाचादिजालिङ्गधक ॥ २ ॥ जिह्वां वीर्यं ॥ ३ ॥ समवसवीना ॥
२ ॥ अम्बकदहनविममयसूरकनश्कवृक्षान्धलायनरहियान् ॥ ३ ॥
दादससुज ॥ ४ ॥ विद्यावाविद्यउवदनश्नीलसंरावगगधु ॥ ५ ॥
४ ॥ ॥ ॥ ॥ उदिताकययियापवनइताश्चनंशुहदामककासनता
॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥ धावइस्काभरवनिमंतावृताश्चयनिनंऊनमाऊयदाता ॥

अवनिनिहितज्ञान॥ १५

२ कंयवतडाप्रवृद्धमृनेकाला॥ सूत्रतवनागादिवदितवधः नायसूत्रश्वव
श्वववीना॥ १ ॥ **आगकापी ५** ॥ अवनिनिहितज्ञाननीनसमदहा
२ कंकवठितयतशीषमवदना॥ ३ ॥ तनाहं तनाहं हं हं हं जातश्रु
वलकाधलाया॥ १ ॥ निविदितयतश्रुति साहितमलरपासखभ
धविनिशुवननाथा॥ २ ॥ हनिहन्वकाहुन्दवउमाला २ माल

२ हं काले संज्ञान॥ १५

विघ्नशक्तिभक्त्यहन्वका॥ ३ ॥ विविधिवलमोविलकृतदहा २ उग
तविवाष्टितवलरुलदायकं॥ ४ ॥ **आगहंदाव** ॥ हं कावसंका
तहुन्दनीलसमश्रुतिदहा॥ आज्ञानज्ञानसमदहसमाकृता॥ ५ ॥
ऊयहुश्रुवलमृनेकमृतिखभयासकवधवि॥ ऊगतनाथऊगतया
नितमहाकाधवाया॥ २ ॥ अवनिनिहितवामज्ञानधालवदनति

निबन्धना ॥ कंकवाङ्गुलरुयंकनशुषिबविघ्ननिहन्ता ॥ २ ॥ वल
हनिहन्तायमानदर्यदहनशुवीना ॥ इच्छानिधीतिमशक्तिननिहन्ता
॥ ४ ॥ विविधिनलारुयधरुषिदिद्यनलशुमोलि ॥ जगन्वाङ्गि
सर्वसम्यक्लिवलरुलदायकं ॥ ५ ॥ **आर्गनिबन्ध** ॥ अथ निबन्ध
नशुष्यशून्यमगगधकमलरुसाधना २ ॥ अथ निबन्धनायशुषि

यादविषाधविन्दुसमकलिता ॥ ६ ॥ नमामिनिलां निलाकल
सलवदुसुसुनधसंयायिता २ ॥ सनदवन्दुसमगङ्गकाशित ॥ जन्मच
न्दसमयायिता ॥ ७ ॥ अथ गङ्गागवलसाधिवचकुवति ॥ मरुमन्द
जमनीता २ ॥ निर्मलद्विद्यावकुध्वविगङ्गाहिनिहिकुपदन्मयसाधना
॥ ८ ॥ अथ निबन्धनायनन्दविषमासहजावदुगानन्दयसंरुवा २

मृदुमावद्वृभाम नक्षुदिनमहाशुखसूगतसंयदयायिता ॥ ४ ॥
हृदयकालवक्रगीवकसंवत्त श्रुतं कति सिद्धायावंगता रवीरुत
दियानयर्धुगीविज्ञातंधविप्रभुमहाशुखजानदं ॥ ५ ॥

रुद्राय नमः ॥

॥ रुद्राय नमः ॥ रुद्राय नमः ॥ रुद्राय नमः ॥ रुद्राय नमः ॥
॥ रुद्राय नमः ॥ रुद्राय नमः ॥ रुद्राय नमः ॥ रुद्राय नमः ॥

मालाशरुननयारुपितमं धलद्यं धडवाचारिनिनिनिनिनयनिणि
निनयना ॥ २ ॥ करुणिघल्यनगीववृडनमसिन्मालरकृकि
खसंगवलमकृतकंभा ॥ ३ ॥ सिलससिंधुनरागकंकलरुला
२कमुलिकर्णलगांवलशुखभाथ ॥ ४ ॥ रुद्राय नमः ॥ रुद्राय नमः ॥
रुद्राय नमः ॥ रुद्राय नमः ॥ रुद्राय नमः ॥ रुद्राय नमः ॥

रगन्धपञ्चसो॥२

शिवविद्यानन्दोक्तानपत्तिविघ्ननिवारयम् २ ॥ सिद्धिप्रोक्तं वयम्
मं कालकं हवङ्ग कनकाचरुचिरा २ आगङ्गागिधिमप्रियविङ्कजन
समयानन्दरवनिहा २ ॥ सिंघनादवाजियाल-दमरूपभाद
मूष्टङ्गागिधियानयन्य २ जानधनपूम्भु मूडाधुडालयिया कर्तुयाच
नमरवनिहा ॥ ४ ॥ **मङ्गल** ॥ गंधमन्दलमध्यवंकालसं

नमामो॥२ किनधर्म

जाताश्चिदुक्तयकमखयथिवीदवो ॥ ५ ॥ गृहहिमहादवीयधि
वीमाताश्च सर्ववत्तसंपूर्णविरुखिता २ ॥ योतवर्तुसोभ्यनयिनी
दवीश्च सर्वरुयहवतीलाकसंगारनी ३ ॥ दिवालंकालरुषि
तदहाश्च हावनीयूनधाववर्तुधना ४ ॥ **मङ्गल** ॥ नमामिश्रि
नधर्मधुखययुश्चिदुवनशूनूरुनधर्मधुवागोखन ॥ ५ ॥

निरुक्कलहलडाशवविभूनेतपिडायिसंवायस ३ ॥ राधीह
 तडादियानेकलथिचलुभीरगोतभूनेहकदंमिवाकं ४ ॥
 जालिकासिइयियादधनं २ ॥ वडडागिनीमंगलगी ॥ ५ ॥ राय
 यिसयिदंविनिभूदयसंरावशकदंमिकमलकुलिसंवादकं ॥ ६ ॥
 घसमोघाभीयोभीवमासीरलपनवडसमहलडावाला ॥ ॥ ॥

शिवनवनेरुननि ॥ ७७

स्वागतसंवा ॥ १ ॥ कितवलजननियरास्वनमसिरविनासयिसमलसदंदाजालिं
 गक्ष ॥ २ ॥ निवंधुहस्त्रयशृंगानसंपूर्ण २ ॥ अक्षजालिंगमआनन्दम
 यनरा ॥ ३ ॥ वायसंरागसयनधीमयनं २ ॥ रागविनागइयिमाश्रयनिष
 कुंदा ॥ ४ ॥ अरुक्कलिससंरागविमूकना २ ॥ सननययसूखुनदंदाजालिं
 गता ॥ ५ ॥ यदहदिहगुवनंतीकागस्यरा २ ॥ सनमामिहमनं २ ॥ योजनन्दि

ता॥ ५ ॥ वाचा ॥ १ ॥ वाक्क क्षागितिहृत्तयायाश्चिदुवननाथद
दिमपानम् ॥ २ ॥ वापिवयिलमहाप्रममहासुखक्येयारवकदविविवा
मायजूनरुद्वहानम् ॥ ३ ॥ वाउर्द्धनाविप्रिलकमलसंकाशश्चदहिमवि
शमयिपवनसंकाशम् ॥ ४ ॥ वासंजयिलमहाप्रमपंचमांसश्चपंचसावि
शवीरुवाचूमीम् ॥ ५ ॥ वासकगुप्युवाचवहुभाविमकश्चासलविमंसा

[illegible]

॥ अथ श्रुतं ॥ वा गन्तव्यं तथा गतं ह्येकाग्रं संज्ञां प्रवृत्त्यै चिन्तिता

विविधकर्मसं२३ ज्ञाहं कालवज्रात्मकमृदकसंसाधितं ह्यनामृमयं॥ ३
 वाचमृगमयसंवाधिरुलयायकं सर्वज्ञानव्यापितसहजकलसं५ जगत्
 मलसुधिरुलयाकयुधसंसायनासनेविनयकयुयं॥ २ वाचमृगमय
 सायनासनेविनयकयुयं॥ २ वाचमृगमय
 यन्मृगवर्धवज्रासंसाधितं विनयाककलसं॥ ३ वाचमृगमयकयुयं॥

वृषसावज्जाकृष्टमृगमयसंसाधितं विनयाककलसं॥ ३ वाचमृगमय
 लमानीयकृष्टाककलसं॥ ४ वाचमृगमयसंसायनासनेविनयकयुयं॥
 नकंयुवसितं विमलकलसं॥ २ महाबागडवीर्यवाधिरुलयायकं
 ह्यनामृमयसं॥ ३ वाचमृगमयसंसायनासनेविनयकयुयं॥ २
 वाचमृगमयसंसायनासनेविनयकयुयं॥ २ वाचमृगमयसंसायनासनेविनयकयुयं॥

वक्रिद्यानि ॥ २५

निवादिता कृष्णालनडाद्रुमा देवोश्च नमामि देवी श्री भूमाधि गु
गुणिभूगुणिकसिद्धिकवर्ज ॥ ४ ॥ वा यद्वा ॥ वक्रिद्यालिब
तालित्वभूविदेवोश्च सिंधिनिद्याद्यानि कृंवृकडलकिनि ॥ ५ ॥ न
मामीश्रीजागवल्गिहानमखरीताश्चिनिषिनयदविडिरु वनययिह
२ ॥ वा यद्वा उरुवमश्रीमदकिनदिगंदविश्वाकिनिद्वियिनिवउमि

२५२५ कागा ॥ ३२

कंवाकनिवा ३ ॥ वहुवमावदिगहु क्ररुवमहुदवि २ ॥
 विष्णी हलुअलाया ॥ ४ ॥ हविहवुक्ताहुडजसूयगमनं
 वादमकागिधिसमयसंज्ञावे ॥ ५ ॥ वायश्चकपाला
 धाविनमोरियंवहुतयंवमूद्रारुवध २ नयधिवमायाग्रीर्वधरावा
 युवमोकारिहविगवदता ॥ ६ ॥ हंहंकावसंज्ञागवदता, यवव

धादयनीलसमदहाकाधियणीमदाकाला २ यश्चमृगवमदर्थर
 नयिशाशयनदेवउपहृत्वा ॥ २ ॥ यकयमोलाविधिनयताः धा
 वरुयेकवहीखमवदना २ इपुक्कलितारिगलकभा ३ लमलरुसा
 कयधामय ॥ ३ ॥ कयगिकपालाधाविनखलोंगतागारुवध
 गाकहुलहावा २ नागसिलसिधो नोयवनागज्जुनागज्जुलपधंस

धिशा ४ ॥ ४ ॥ मज्जिमवल्गमोविधाविधमया वृद्धसासनसायक
 विवाश्यतामन्धतांदवरावासाध्याकूलिसाभूनरुनसवभा ॥ ५ ॥
 ॥ **वागवत** ॥ १ ॥ शीहवकुनेगतादवीप्रिगुवननाथश्यंवेकिनया
 यितायश्ववर्षुददा ॥ २ ॥ ॥ नमामि ॥ ३ ॥ शीजयूद्धशयेत्यहं नृकशीरु
 ॥ ४ ॥ विवकुआगिनिधुव्याता ॥ ५ ॥ ॥ यवदिगद्विहरेनवनीलवर्षुद

॥ मयिशाविष्णु मालिनाय ॥ १ ॥ मयिशाइःखवितासिमा २
 दिनयाउधविदागविंदधरा ॥ ३ ॥ ॥ यमविशेविज्ञागिनिदविश्का
 उतिलिलावकुहं कानसंवकु ॥ ४ ॥ ॥ **वागवत** ॥ ५ ॥ गऊमूखणि
 नयनितांदवपद नृणाधिपशूक्तिगलसंयमा ॥ ६ ॥ मक्षिमूकावलाहव
 मन्मिक्किनसंकासा ॥ ७ ॥ ॥ मालियामाला मालसंजासामनूअप
 मइरवतासिमा ॥ ८ ॥ ॥ यमवुवानाकूस्वकुखर्गिनिधियालदहिन

कनेरमसुनधनखल्लोराखल्लयकनकिवाभ ॥ ३ ॥ विविधवस्तु कन्
 कर्हिरेभाऊताऊकमसिमंदिना ॥ २ ॥ लंभादयगपधृतनंवादनसुखा
 यलमिलिलिपिलिवाऊं ॥ ४ ॥ वलातनधतनलाकनितामयि
 कस्यजगिसुधुसैराश्वीनादवातममुखदागानमसु ॥ २ ॥ गभाधि
 यतिवा ॥ ५ ॥ ~~कनकवर्धुदवीडिगुवनऊतनी ॥ २ ॥ धर्म~~

कनकवर्धुदवी

मसुवलाहवसुगभासोने ॥ ५ ॥ नमामिमनिधिदवीसुननमदिना
 रहकलमात्रनियविघ्रदिनासिता ॥ २ ॥ विखगुहाभाधभाध
 वमहिनाशखण्डुऊगिनयनकिनिवदना ॥ ३ ॥ कसमकामधन
 कूलिसुभकारसुविसुगसर्ववासाकयसाहिता ॥ ४ ॥ वदनदहि
 नसीतवामनी ॥ ५ ॥ कोलाया ॥ विविधनलकलवनीनकंवका ॥ ५ ॥

॥ एकवदनमलमकगजालंरुता ॥ यहुउरुखन
 प्रककसवधनूधनि ॥ ३ ॥ नमामिमश्शीपघननख
 जासयनशासासंयविपूयिगडधनिता ॥ २ ॥ ददिनगीन
 नयनिवामशामाहाकालरसगधमहुलमाष्टपुननिर्हा
 ना ॥ २ ॥ शुक्तिमुंसायनायाविश्वविद्यापिता ॥ २ ॥ मसहासयव

॥ इव्याहइविनहय ॥ ४ ॥ वरुधल्लेषसादिलदासरनयि ॥ गुन
 वधमानसिधिवलयमधे ॥ ५ ॥ ॥ रागकामा ॥ पुनविनहका
 ननीलवमनूनिहुन्दनीलसमजनिदहा ॥ विश्वकुल्लिरहल्लिकनधन
 लमकठकाधधिये ॥ ६ ॥ ॥ नोमिभीरुद्वीपंरुवसिंधनधनंरुति
 सनाथगिरुतनवायिनात्रमादिधंमनकनधनं ॥ २ ॥ ॥ जैन

नृसिंहागिषुवनवीर्यं सर्वं ह सुखं गदधने रवामतर्कमी इत्यामध
 नं रवादिशामनबंधनकनमं॥ ३ ॥ नानाचला हवनोपसक
 लिमखलरुषितदहं रड ह्यकलानतीषमवदनं गिषुवनमायाय
 वंडवीर्यं॥ ४ ॥ विनाधिपति सर्वस्य दनमं प्रतापि अवादि सान
 नमनसा रसुनमवडडादिपादज्ज हवनसर्वसिद्धिमाकरुलदं॥

म
 १ ॥ मध्विपुत्रिपुत्रा इयानिहूनाया रसकलदव
 गधवन्दितापादं॥ २ ॥ ममेगिज्जदिवडुमी मंरुकमाला रत्नं ज
 शिवेदिगयन्नन्यस्वना॥ ३ ॥ कंकमनूविनाभुनविलशिष
 मारभुन्यागम्हीनाकनूयविहना॥ ४ ॥ विखयविषमकटया
 नंगमनस्यं रविष्ववियायितमिर्वगुनूयंरु॥ ५ ॥ मंगगुनू

॥ २ ॥

नमो विविंश्या नमो रमा अतिमवगीतयन्तुवकलिमा ॥ ५ ॥

॥ वागानन्द ॥ ॥ कमलविकासितशितिलाश्वनकमन्दपीतवर्तु
समदहा ॥ श्वपुत्रवदनकुवलयद्वयपद्मनृगश्वपुकासिता ॥

॥ नमामि शंकराय सकलगुहलाय सुवगुह २ कृमिदहन
शानवलपुदसर्पहृन्निविद्यानिगा ॥ २ ॥ यथमकयच

यत्तु यैः ० धनं नृणां शालिङ्गमयाजिता शक्तिरियां कथमध्वर्युति
यत्तु नृणां चतुर्थस्य सन्ध्यायामध्वरा ॥ ३ ॥ मत्स्यपुराणस्य
वनधर्मोपाख्यानं ॥ यापयतु र्थवा दृष्टपूर्वका ॥ यत्तु मत्स्यपुराण
सहायिका किं चिद्यवदमध्वर्युति ॥ ४ ॥ निवर्द्धिर्वृद्धिर्हारी
यत्तु नृणां मिश्रसर्वरूपज्ञानविंशति ॥ ५ ॥ सन्ध्यागत्य यत्तु न

卷之五

॥ राग गंधर्व ॥ वामखल नध्वददिन
कवतिरयायमव्यमउवमून्दमाला ॥ ३ ॥ दविनावशिज
करुगिवकुकागिनिश्चिनणदवीशितवनयसिम ॥ २ ॥ का
लमृष्टइयिपासनवधियाले ॥ रागध्रुषमाह कवतिनकुदिना
॥ १ ॥ हूलमृष्टदवीतिर्नेऊतदह ॥ शुचायाप्रदवीमुनध्व

[illegible]

श्वयदवं २ सिद्धो नामि वधूते देय विक्रमवाया शुवन य किंवेदा
 मानिन प्रन्ददवं ॥ २ ॥ वायिकर्मविकासितसिद्धतावा
 धिया लतामकमलधनरुथ २ पुमभुमयनकनागकृष्टकदामि
 दइः खल्यस्वभा ॥ ३ ॥ हूं हूं हूं एगवतिकाया एगतिने
 समिथीवृगमल्ललाक श्वयदवं २ नयं दमलदवस्वर्जमध्या

श्वयदवं ॥ ४ ॥ दमस्वमि द्वाहिंसकनयनवायागगनाथ
 दयदाता २ थीमिगांरुवसिलंगतधविशायी वाकश्वयसव
 नागति ॥ ५ ॥ **एवागहं नति** ॥ कूं रनिगांजनपश्चल्लनस्वरावका
 कावाकनवीजमूल्यनाशनिवातासिमहास्वरावतामकिष्ठुमून्य
 पितृकजागिति ॥ ६ ॥ नमामिदविशीवावमीवसिवज्जुष्टिव

२ कूं रनिगांजनपश्चल्लनस्वरावका

कमलता २ अविधसंखविनयसंखिना ३ कमलवशिवाचनोदयो ॥

२ ॥ अष्टदशशुद्धाधिककबंधकवापननकषदितिकय २
याभांकुमभत्यनधजागदावजनवमववदपथमसम ॥ ३ ॥

अथनउच्चकनरुगाकधनूवजवंधखदागकमलनरशिभुलमं
गलेवजवृत्तगभयतिदन्कभाकुन ॥ ३ ॥ दक्षीणकायद्वर्तवर्तुम

२३ निनि ॥

मृत्वाकालवय २ ॥ नाकवश्रुतिनिसंकुलवाचनायमादविवजयव
माया ॥ ४ ॥ अष्टदश ४ ॥ दंविनिहमाववविवासयिकेस २
उथरादामन्दललाया ॥ ५ ॥ अङ्ककालमलेकगतिनिवासि
याले ॥ २ ॥ ॥ सर्वता ॥ अगतासां सर्वता ॥ अगतालयं ॥ स
र्वधर्मागनीमात्मंदममन्दलं मूलम ॥ ० ॥ अमिय २ निवंकन

वा ठ न ह स्य मनसा नृ सं प्र सं स य व सः क स्या क स्य क या तु
 न ह स्य मनसा नृ सं प्र सं स य व ह ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 ॐ नृ ना ये दे वि वं कु वं मा ला ॥ १ ॥ **वाग्गर्ह्ये वा वि** ॥ २ ॥ य व म न्द ल ये वी
 क ल रु द्र व व क्रि स यं द २ य य पृ थु य वि सृ ण य द्र य पा नु रु क्ता दि य वि य नृ
 ॥ ३ ॥ ॐ दं व लि गु क्त्वा ह न स र्व वि घ्न ना भ य श्व गु र्मा वा ॥ ४ ॥ स य २

ॐ म य २ छि न्द २ छि न्द २ ३ ४ वि नृ व का रु सिं कृ नृ ह ॥ २ ॥ य कृ वी
 क वि का धि छि नृ यं द म न पं च य दौ यं २ स मी ल य य वि य कृ लि नृ डं का
 ना मृ ग न र व ॥ ३ ॥ ॐ आ हं न य सृ ना द स दि ग् व ह वी व वा य व वी २
 स क ल पि य र्व ड य मा नि रु शी या कृ नृ पृ य वा ॥ ४ ॥ **वाग्गर्ह्ये वा वि**
 ॥ ५ ॥ अ काल सं का र पि ह ग न ॥ ६ ॥ मि ख पा द् यं अ शी ता न र्ने र व वा २ व क्त्वा

ॐ नृ ना ये दे वि वं कु वं मा ला ॥ १ ॥

मि

यनीपीतावाधुकिनागाभचन्द्ररीषमाद्युनिगऊनदा॥ १ ॥ रागधपनि
कमानामहाकालकृष्णालकागिनिगधध॥ २ ॥ मयमानसमत्सपंचवि
धयूनीगुहं दुखादंगुषीवकुय॥ ३ ॥ कवर्गकातंनदिनिगधसुपि
प्रावपादयचंद्ररीषवाधुदायनिष्ठतागऊकनागागक्षायसुमानयुनि
निगऊनदा॥ ४ ॥ चवर्गकातंविहानववूहमूलकपादयचंद्रकरी

नवाश्चन्द्रायनीकुंकुमाकक्षातकनागमहालाकलालनादिगज
 दा॥ ४ ॥ तवर्गजातं यच्च तसमानेव कथाऽकपिलहेलवाश्च
 वावाहिवकापयशुजनागमहाकलंकहेलवावर्लकजवदा॥ ५ ॥
 ढवर्गजातं च कवृकाग्नोकवञ्जवृक्काधरेववाश्च क्माविनकापदाय
 शनागमजगुतदासापवञ्जवदा॥ ७ ॥ यवर्गजातमाहृगृहादि।

दनकनर्षी॥ ३ वायूस्थक्रमनाजाग्रहकनूधामयरहमशुक्रदिशुक्र
 मसीचन्द्रहासा॥ ४ वाठनगभधियगियनायगुसशरवच्चपासवज्र
 घातनकनर्षी॥ ५ वासमीनननाथगङ्गागतच्छानैरहगयकगिष्ठं
 तुम्हूनहिदाखं॥ ६ धरुक्रमननाजागच्छलेकायुविर्नाथहल
 अग्राह्यवधरुनकनर्षी॥ ७ वायोदगल्लननचविप्रसकिर्नाथ

माह्लाजयंगुनाजीवंगुशयं॥ ८ वाज्रधुवननध्वनवक्रवमविग्र
 खमप्रसिद्धनिरुस्मिवकनर्षी॥ ९ वाक्चवलनामाज्रहंकाधवाजा
 दसदिगस्मिन्मालशासनकनर्षी॥ १० वावायुचिचलेनावृजगतधमिया
 रगाडानिकूलिसाशीगीतचविगा॥ ११ **वागममाल** ॥ सहस्रद्वय
 संश्रुंयंयममिनायकंरयश्चनलमयंगम्युद्धयंगुक्रातिनूयकं॥ १२

सप्तम
 पत्र
 ॥ ५ ॥

नमामि २ यो वृद्ध धर्म संघ २ ह्युदितो कपाल गद्य कृतं ॥ २ ॥
 शिखर वनम ३ यो वृद्ध धर्म संघ २ ह्युदितो कपाल गद्य कृतं ॥
 ३ ॥ श्री काल्यादि २ ह्युदितो कपाल गद्य कृतं ॥
 निजिन नृमिव ॥ ४ ॥ ऊन श्वादि सिद्धि युष्मादा २ ह्युदितो कपाल गद्य कृतं ॥
 नवी धारार्थ गीता ॥ ५ ॥ **॥ श्यागल ॥** काल्यादि वलित नृश्वसित

मो विष्णु सिद्धि आलिंग भाति निरुता २ ह्युदितो कपाल गद्य कृतं ॥
 नागभर वलित कृतं ॥ ६ ॥ **॥ श्यागल ॥** काल्यादि वलित नृश्वसित
 पदवर्ध २ विविध विष्णु मधुनं विष्णु कृतं ॥ ७ ॥ **॥ श्यागल ॥** काल्यादि वलित नृश्वसित
 २ ॥ **॥ श्यागल ॥** काल्यादि वलित नृश्वसित
 गम २ ह्युदितो कपाल गद्य कृतं ॥ ८ ॥ **॥ श्यागल ॥** काल्यादि वलित नृश्वसित

ध्यायदुंदरि जूगुत्तहासनं विद्वत्कडस्त्रा कलालवदनं २ वाघवर्मा निवा
 सनननमन्दमाला जूलिवलिखादनसिद्धिरुलदं ४ वागडा निशु
 वतवकुगुत्तलवध्वानंदधरावनासनसावतवर्जेश्वरधर्मासासनसंघ
 यनिवज्जकणीसाहाकालवपादधायर्षी ५ वागपं १० जूगुत्ता
 विज्जुपानकाव २ जूगुत्तागिधिवनं ६ वासिपससिंधुनकंज

रुद्राश्चदविषमभादनमाकुमार्यं॥ २ वानप्रसूतशूचिप्रपातकालश्च
गुप्तवाक्यनशास्त्राणां॥ ३ ॥ कूलवसमाहुर्गुरुलदंश्चकूचिकृति
हानासरुलदं॥ ४ ॥ मत्स्यसिंहसिद्धिरुलदंभादंश्चकूचिकृति
सनीसुवर्णं॥ ५ ॥ **एवमनाक** वानमामिर्किनयश्चधर्मधामुत्तरयंशुश्च
पिशुवनशूच्यधर्मधामुत्तरयंशुश्च॥ ६ वानमामिर्किनयश्चकिन

नमोस्तु २ दधुमिद्यार्जिं भागशूनरुनलाया ॥ २ ॥ स्तुर्जमध्याता
 लमुवनसंशोकापाग्या २ यउनिर्वकृतमहामधिधवा ॥ ३ ॥ धर्मी
 धीमिजुहानधीमिजुं २ नयालमन्दलमास सुनासूवृषी ॥ ४ ॥ वाम
 पूरुकाधनूधवा २ दहिनल्लुखज्जधवधवि ॥ ५ ॥ धीलाकध्व
 वमन्दलमहासूखवाया २ वाजाधिवारुधीनयन्दमलदव ॥ ६ ॥

रविभुजकमप्रेव ॥ १ ॥

धावजाचाकबंधूदरुजावार्यरनयिवाकवकुणिवाचनिना ॥ १ ॥
स्वागमावधि ॥ दिगुजकमूखनकवदनी २ मूकठकंठादिगवला
 ॥ २ ॥ मनेताहं २ न्यामं हं हं हं ॥ ३ ॥ वामकनामकदहि
 नकवगि २ हाडआरुवधसुसाहिता ॥ ४ ॥ धुरीतन्यवमासगांठ
 वमसूति २ वकुमधुगुवाविता ॥ ५ ॥ ॥ सगगुचवधधियंगत